भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3200
दिनांक 13.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

फिलिस्तीन के मुद्दे पर भारत का रुख

3200. **श्री आगा सैय्यद रूहुल्लाह मेहदीः**
श्री ए. राजाः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार गाजा क्षेत्र में जारी संघर्ष या फिलिस्तीन के मुद्दे पर चिंतित है;

(ख) यदि हां, तो शीघ्र युद्धविराम करने और क्षेत्र में टकराव बढ़ने से रोकने के लिए अन्य प्रमुख देशों के साथ क्या राजनयिक प्रयास किए गए हैं;

(ग) फिलिस्तीनी मुद्दे के समर्थन के लिए संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर भारत का आधिकारिक रुख क्या है;

(घ) इजरायल के आक्रमण, जिसके परिणामस्वरूप फिलिस्तीन में बच्चों सहित हजारों निर्दोष लोगों की हत्या हुई है, पर भारत सरकार ने क्या निर्णय लिया है; और

(ड.) इजरायल द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के उल्लंघन पर भारत सरकार का क्या निर्णय है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्ति वर्धन सिंह)

(क) से (ङ) भारत पश्चिम एशिया में उभरती स्थिति और गाजा में मानवीय संकट को लेकर चिंतित है। सरकार ने फिलिस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता की सुरक्षित, समय पर और निरंतर वितरण की आवश्यकता पर जोर दिया है। संघर्ष की शुरुआत से, भारत ने दो किस्तों में 16.5 मीट्रिक टन दवाओं और चिकित्सा आपूर्ति सहित लगभग 70 मीट्रिक टन मानवीय सहायता प्रदान की है। इसने पिछले साल 5 मिलियन डॉलर जारी किए और इस साल निकट पूर्व में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी(यूएनआरडब्ल्यूए) को 5 मिलियन डॉलर का वितरण किया। हाल ही में, अक्टूबर और नवंबर 2024 में यूएनआरडब्ल्यूए और फिलिस्तीन स्वास्थ्य मंत्रालय को 65 टन दवाएं भी भेजी गईं।

फिलिस्तीन के प्रति भारत की नीति लंबे समय से चली आ रही है और इसमें बातचीत के ज़रिए दो राष्ट्रों के समाधान का समर्थन, और सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फिलिस्तीन राज्य की स्थापना, जो इज़राइल के साथ शांति से रह सके, शामिल है। भारत संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की सदस्यता का भी समर्थन करता है।

भारत ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हुए आतंकी हमलों और इजरायल–हमास संघर्ष में नागरिकों की जान जाने की कड़ी निंदा की है। भारत ने युद्ध विराम, सभी बंधकों की रिहाई और बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने इस क्षेत्र और दुनिया भर के कई नेताओं से बात की है, जिनमें इज़रायल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री और फिलिस्तीन के राष्ट्रपति और विदेश मंत्री शामिल हैं। भारत की स्थिति को विभिन्न द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मंचों जैसे संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स, एनएएम, वैश्विक दक्षिण की आवाज़ आदि में दोहराया गया है। प्रधानमंत्री ने 22 सितंबर 2024 को न्यूयॉर्क में भविष्य के शिखर सम्मेलन के दौरान फिलिस्तीन के राष्ट्रपति से मुलाकात की और युद्ध विराम, बंधकों की रिहाई और बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया।

*****